ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
डा० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)

बुलेटिन संख्या-६६
दिनांक-मंगलवार,११ सितम्बर,२०१८

टेलीफोन - ०६२७४-२४०२६६

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः ३३.७ एवं २६.१ डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता ८७ सुबह में एवं दोपहर में ७८ प्रतिशत, हवा की औसत गति ५.० कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण ३.२ मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन ६.५ घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा ५ से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में २९.३ एवं दोपहर में ३२.३ डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में पूसा मौसमीय वेद्यशाला में ६.० मि०मी० वर्षा रिकार्ड हुई।

• मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

(१२ से १६ सितम्बर, २०१८)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा०आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा,समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी १२ से १६ सितम्बर,२०१८ तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः-

- पूर्वानुमानित अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में अनेक स्थानों पर हल्की वर्षा हो सकती है। हलाँकि तराई के जिलों तथा मैदानी भागों के समस्तीपुर तथा बेगुसराय जिलों के कुछ स्थानों पर मध्यम वर्षा होने की संभावना है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान ३३ से ३५ डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान २६ से २७ डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है।
- औसतन ५ से १५ कि०मी० प्रति घंटा की रफ्तार से मुख्यतः पछिया हवा चलने का अनुमान है। हाँलाकि कहीं-कहीं पुरवा हवा चलने की संभावना है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में करीब ८० से ९० प्रतिशत तथा दोपहर में ६० से ७० प्रतिशत रहने की संभावना है।

• समसामयिक सुझाव

- लत्तीदार सब्जियों वाली फसलों में फल मक्खी कीट की निगरानी करे। वर्त्तमान नमीयुक्त गर्म मौसम इस कीट के प्रकोप के लिए अनुकुल है। मादा मक्खी लत्तीदार सब्जियों के कोमल फलों के अन्दर अण्डे देती है। ग्रसित फलों के छेद से लसदार हल्के भूरे रंग का द्रव निकलता है जो सुखने पर खुरदरे खुरट का रुप ले लेता है। अण्डे से मैगोट बनते ही वह गुद्दे को खाकर स्पंज जैसा बहुत सारे छेद कर देता है। जिससे फलों में सड़न प्रारंभ हो जाती है। क्षतिग्रस्त फल पतला टेढ़ा-मेढ़ा, कभी-कभी तो पीले पड़कर डंठल से अलग होकर गिर जाते है। यह मैगोट एक फल को खाने बाद फूदककर दुसरे फल को खाता है। क्षतिग्रस्त फल खाने योग्य नही रहता। कीट नियंत्रण के लिए सर्वप्रथम सभी क्षतिग्रस्त फलों को इकट्ठा कर नष्ट कर दें। मिथाइल यूजीनोल ट्रेप का प्रयोग करे। अधिक क्षति होने पर १ किलोंग्राम छोआ एवं २ लीटर मैलाथियान ५० ई०सी० तरल दवा को ८०० से १००० लीटर पानी में घोलकर प्रति हेक्टेयर की दर से फसल में समान रुप से आसमान साफ रहने पर छिड़काव करे।
- धान की फसल में पत्ती का जीवाणु झुलसा रोग का नियंत्रण करें। इस रोग में पत्ती की चोटी की तरफ से किनारों या मध्य शिरा से होकर नीचे की तरफ धब्बा बढ़ता है। जिसका रंग पुआल जैसा हो जाता है। बाद में पुरा पौधा सुख जाता है। इस प्रकार का लक्षण दिखने पर बचाव हेतु स्ट्रेप्टोसाइक्लिन ५० ग्राम एवं कॉपर आक्सीक्लोराईड २.५ किलोग्राम दवा को ८०० लीटर पानी में मिलाकर प्रति हेक्टेयर की दर से १२ दिनों के अन्तराल में दो छिड़काव करें।
- वर्षा की संभावना को देखते हुए किसान भाई अगात बोयी गई धान की फसल जो गाभा निकलने की अवस्था में आ गयी हो, उसमें ३० किलोग्राम नेत्रजन प्रति हेक्टेयर की दर से उपरिवेशन करें।
- उरद् और मूंग की फसल में पीला मोजैक वायरस से ग्रस्त पौधों को उखार कर नष्ट कर दें। मिर्च के खेत में विषाणु रोग (पत्तियों का टेढ़ा-मेढ़ा होना) से ग्रसित पौधों को उखाड़कर जमीन में गाड़ दे। तदुपरांत इमिडाक्लोप्रिड एक मी०ली० प्रति ३ लीटर पानी की दर घोल बनाकर छिड़काव करें। अगात फूलगोभी में निकाई-गुड़ाई करें।
- वर्तमान मौसम परिस्थितकी सब्जियों की पौधशाला में आद्रगलन (डेम्पिग ऑफ) रोग के विस्तार के लिए अनुकूल है। यह एक कवक द्वारा फैलने वाला मृदा जनित रोग है, जिसमें पौधशाला के नवजात अंकुरित पौध के तने जड़ के ऊपर भूमि के पास से सड़ जाते है और पौध मर जाते है। रोग की तीव्रता की स्थिती में रोग ग्रस्त पौध क्यारीयों में गुच्छों में दिखता है। कभी-कभी पूरा नर्सरी नष्ट हो जाता है। इस रोग से वचाव हेतु ट्राइकोडरमा से मृदा उपचार कर उपचारीत बीज की बुआई करें। सघन बीज नहीं गिरावें, अधिक गहराई में बीज की बुआई नहीं करे। जल निकास की उचित व्यवस्था रखें। पौधशाला में रोग की विस्तार की स्थिती में कॉपर आक्सीक्लोराइड २.५ ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें।
- किसान भाई इस माह की १५ सितम्बर तक अरहर की बुआई उचॅास जमीन में संपन्न कर ले। जुन-जुलाई में बोयी गई अरहर की फसल में कीट-व्याधि का निरीक्षण करते रहें।
- फूलगोभी की पूसा अगहनी,पूसी, पटना मेन, पूसा सिन्थेटिक-१, पूसा शुभ्रा, पूसा शरद, पूसा मेधना, काशी कुवाँरी एवं अर्ली स्नोवॉल आदि किस्मों की रोपाई करे। पत्तागोभी की अगात किस्मों की बुआई नर्सरी में करें। इसके लिए प्राइड ऑफ इण्डिया, गोल्डेन एकर, पूसा मुक्ता, पुसा अगेती एवं अर्ली ड्रम हेड किस्में अनुशंसित है।

आज का अधिकतम तापमानः ३४.२ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से २.० डिग्री अधिक	आज का न्यूनतम तापमानः२५.८ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से ०.६ डिग्री अधिक

(डॉ० ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी